कॉलोनियों को वैध करने का मामला : शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के महानिदेशक को लिखा पत्र

डीटीपी और डीएमसी ने नगर परिषद के प्रस्ताव पर लगाई मुहर

बहादुरगढ़ की 11 कॉलोनियां जल्द हो सकती हैं वैध, करीब 78 एकड़ रकबे को मिलेगी राहत

रवींद्र राठी ▶▶ बहादुरगढ़

शहर की 11 अवैध कॉलोनियों के नियमित होने का रास्ता साफ हुआ है। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) तथा जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) ने नगर परिषद द्वारा तैयार 11 कॉलोनियों को वेरीफाई कर दिया है। करीब 78 एकड़ क्षेत्रफल में आबाद हुई इन 11 कॉलोनियों को नियमित करने के लिए निदेशालय के माध्यम से सरकार को केस भेजा गया है।

विदित है कि इससे पहले इनेलो सरकार ने 43 कॉलोनियां पास की थीं, जबकि कांग्रेस सरकार ने 26 कॉलोनियों और भाजपा सरकार ने 19 कॉलोनियों को सिविक एमेनिटिज एक्ट के तहत राहत दी थी। इससे हजारों लोगों के लिए विकास के द्वार खुले थे। दरअसल, नगर परिषद ने बहादुरगढ़ की 11 कॉलोनियां का विवरण डीटीपी तथा डीएमसी से वेरीफाई करवाने के बाद इन वैध करने के लिए निकाय निदेशालय को भेजा है।

वैध होने के बाद कॉलोनियों में खुल जाता है विकास का रास्ता

- 43 कॉलोनियां 2004 में इनेलो सरकार ने पास की थीं
- कांग्रेस सरकार ने 26 कॉलोनियों को 2013 में वैध का दर्जा दिया था
- भाजपा सरकार ने 2018 में सात व 2023 में 12 कॉलोनियां पास कर राहत दी

2004 में 43 कॉलोनियां हुईं वैध : शहर में ईदगाह कॉलोनी, अग्रवाल कॉलोनी, पटेल नगर, शक्ति नगर, आदर्श नगर, देवी कॉलोनी, चंपा कॉलोनी, शास्त्री नगर, सैनिक नगर, टीचर कॉलोनी, प्रीतम कॉलोनी, प्रेम नगर, छोटूराम पार्क, मोहन नगर, रामकला कॉलोनी, फ्रेंडस कॉलोनी, संजय कॉलोनी, देव नगर, रामबाग कॉलोनी, गणपति धाम, आर्यनगर, वत्स कॉलोनी, शास्त्री नगर, अशोक नगर, न्यूपटेल नगर, ईस्ट वेदांत नगर, नेताजी नगर, जौहरी नगर, सुभाष नगर, धर्मविहार, फ्रेंडस कॉलोनी, हरिनगर, शंकर गार्डन, विकास इनकलेव, इंदिरा पार्क, वत्स कॉलोनी, कमल विहार, एमआईई फ्री होल्ड आदि कॉलोनी पास की गई थी।

2013 में 26 कॉलोनियां पास : इनमें आनंद नगर, आर्य नगर-2, बलजीत नगर, बैंक कॉलोनी-2, बरहाणिया कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी, भगवान नगर, बिहार कॉलोनी, छोटूराम नगर-1, छोटूराम नगर-2, देव नगर-2, डीआईजी कॉलोनी-2, कश्मीरी कॉलोनी, मामन विहार, माया विहार, नेताजी नगर-2, प्रीत विहार, सैनिक नगर-2, शक्ति नगर-2, शास्त्री नगर-2, श्याम कॉलोनी, सुभाष नगर-2, सूरत नगर-2, विकास नगर-2 व विकास नगर-3 शामिल हैं।

2018 में 7 व 2023 में 12 : वर्ष-2018 में छोटूराम नगर एक्सटेंशन भाग-1, छोटूराम नगर-2 एक्सटेंशन, सुभाष नगर न्यू एक्सटेंशन, जेई कालोनी, बैंक कालोनी-2 एक्सटेंशन, मामन विहार एक्सटेंशन और शक्ति नगर-2 एक्सटेंशन नियमित हुई थी। जबकि दिसंबर-2023 में बामड़ोली कॉलोनी, शक्ति नगर कॉलोनी, छोटूराम कॉलोनी एक्सटेंशन, माया विहार कॉलोनी पार्ट-थ्री, परनाला एक्सटेंशन नियर ड्रेन, ज्ञान राठी कॉलोनी पार्ट-टू, अशोक विहार-नेताजी नगर-हरी नगर, न्यू सुभाष नगर, नियर ओमेक्स कालोनी, छोटूराम नगर पार्ट-वन, श्री राम मंदिर कॉलोनी ओमेक्स और कुबेर कॉलोनी को नियमित किया गया था।

इन कॉलोनियों को नियमित करने का प्रस्ताव

इन कॉलोनियों में मामन विहार, छिकारा कॉलोनी, बीएसएम स्कूल के पीछे और ओमेक्स के पास वाली कॉलोनी, कसार रोड के निकट स्थित जीडी एंड डिफेंस कॉलोनी, बीएसएम स्कूल कॉलोनी पार्ट टू, बहादुरगढ़ के रकबे में नियर बादली रोड कॉलोनी के साथ, लाइनपार क्षेत्र की शीतला माता कॉलोनी, न्यू सुभाष नगर कॉलोनी, सुभाष नगर एक्सटेंशन, सुभाष नगर पार्ट टू, विकास नगर एक्सटेंशन और छोटूराम नगर एक्सटेंशन पार्ट-3 कॉलोनी शामिल हैं। इन सभी कॉलोनियों को सरकार की पॉलिसी के तहत नियमों पर खरा उतरने के चलते प्रस्ताव में शामिल किया गया है।

अब दो साल बाद फिर जगी आस

वर्ष 2004 में इनेलो ने शहर में 43 कॉलोनियों को वैध का दर्जा दिया था। जबकि कांग्रेस सरकार ने नगर पालिका एवं परिषद के अपूर्ण क्षेत्रों में नागरिक सुख-सुविधाओं तथा अवसंरचना का प्रबंधन (विशेष उपबंध) विधेयक-2013 के तहत बहादुरगढ़ की 26 कॉलोनियों को नियमित किया था। वहीं भाजपा सरकार ने हरियाणा मैनेजमेंट ऑफ सिविक एमेनिटिस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेफिशियंट म्युनिसिपल एरिया एक्ट-2016 के तहत 7 कॉलोनियों को 2018 में तथा 12 कॉलोनियों को 2023 में नियमित किया था।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अरूण नांदल ने बताया कि वैध कॉलोनियों में छूटे हुए पैच और उन अवैध कॉलोनियों को प्रस्ताव में शामिल किया गया है, जो वैध होने के नियमों पर खरा उतर रही हैं। निदेशालय के दिशा निर्देश पर प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे जिला स्तर पर मंजूरी मिल गई है और अब निदेशालय को भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रूवल मिलते ही वैध होने वाली कॉलोनियों में विकास कार्य शुरू करवा दिए जाएंगे। उम्मीद है कि जल्द ही इस पर फैसला आ जाएगा। इससे पहले नियमित हो चुकी कॉलोनियों में भी विकास कार्य शुरू हो चुके हैं।

खबर संक्षेप

नूना माजरा में महिला फुटबॉल स्पर्धा 21 से

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा स्थित शहीद राजेश स्टेडियम में 21 और 22 फरवरी को पहली ओपन महिला फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों व राज्यों की महिला टीमें हिस्सा लेंगी। कोच सुदर्शन ने जानकारी देते हुए बताया कि विजेता टीम को 31 हजार रुपये व ट्रॉफी से पुरस्कृत किया जाएगा। जबकि उपविजेता टीम को 21 हजार रुपये व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। दिल्ली व हरियाणा से बाहर की टीमों को दो हजार रुपये यात्रा भत्ता भी दिया जाएगा। सभी टीमों के रहने और खाने की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी। प्रतिभागी टीमों को 21 फरवरी की सुबह 10 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी होगी। प्रतियोगिता के दौरान बेस्ट स्टॉपर, बेस्ट मिडफील्डर, बेस्ट डिफेंडर और बेस्ट गोलकीपर जैसे पुरस्कार भी दिए जाएंगे। महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है।

बिजली की दुकान से नकदी व सामान चोरी

बहादुरगढ़। बालोर रोड पर विजय नगर में स्थित एक बिजली की दुकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर ताले तोड़कर दुकान में घुसे और नकदी व सामान पर हाथ साफ कर गए। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। विजय नगर निवासी नवनीत का कहना है कि भगत सिंह पार्क के निकट उसकी बिजली की दुकान है। मंगलवार रात को अज्ञात चोरों ने उसकी दुकान को निशाना बना लिया। बुधवार सुबह दुकान खोलने आया तो शटर पर लगे ताले टूटे हुए थे। अंदर देखा तो सामान अस्त व्यस्त था। जांच करने पर 15 हजार रुपये की नकदी, तार के 20 बंडल, एक स्पीकर की पेटी आदि सामान नहीं मिला। उधर, सूचना पाकर सिटी थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

किला मोहल्ला में छत से गिरकर युवक की मौत

बहादुरगढ़। किला मोहल्ला में छत से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। मृतक की पहचान करीब 36 वर्षीय नवीन खत्री के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, नवीन बीती देर सायं छत पर टहल रहा था। संभवतः इसी दौरान पांव फिसलने से वह गिर गया। परिजनों ने देखा तो उसे संभाला और अस्पताल में ले गए। अस्पताल में मौत की पुष्टि की गई। सूचना पाकर सिटी पुलिस अस्पताल में पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कराई। वहीं, बुधवार को पोस्टमार्टम करा दिया गया। उधर, किला मोहल्ला निवासी सन्नी चावला दिल्ली के टिकरी कलां में हादसे का शिकार हो गया। कार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

एसडीएम ने किया जसौरखेड़ी-कुलासी सड़क का निरीक्षण

निर्माण के चंद दिन बाद ही उखड़ी सड़क की मरम्मत के दिए आदेश

हरिभूमि ने 5 फरवरी को प्रकाशित किया था समाचार

जसौर खेड़ी–कुलासी सड़क की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल
विधायक के शुभारंभ करने के एक माह में ही उखड़ने लगी 1.18 करोड़ में बनी सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

एसडीएम अभिनव सिवाच ने बुधवार को पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ गांव जसौर खेड़ी से कुलासी रोड का निरीक्षण किया। विदित है कि करीब साढ़े 3 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए थे। निर्माण के चंद दिन बाद ही यह सड़क उखड़ गई थी। इसे लेकर हरिभूमि ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था।

बता दें कि 26 दिसंबर 2025 को विधायक राजेश जून ने निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। लेकिन कुछ दिन में ही यह सड़क जगह-जगह से उखड़ गई। इसे लेकर हरिभूमि ने 5 फरवरी को समाचार प्रकाशित किया था। एसडीएम अभिनव सिवाच ने बुधवार को अधिकारियों के साथ गांव जसौर खेड़ी से कुलासी रोड का दौरा कर निर्माण एवं रखरखाव कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क से जुड़े सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किए जाएं। जहां मरम्मत अथवा सुधार की आवश्यकता हो, उसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए ताकि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने दोहराया कि जहां पर भी सड़क उखड़ी हुई है, वहां से पैचवर्क कराया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के एसडीओ राजेश तोमर और जेई बिजेंद्र मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। अधिकारियों के साथ सड़क का निरीक्षण करते एसडीएम।

मानसिक परेशान व्यक्ति ने लगाई फांसी

खेड़ी आसरा गांव में 49 वर्षीय व्यक्ति ने घर के साथ लगते खाली कमरे में फंदा लगाकर जान दी

झज्जर। क्षेत्र के गांव खेड़ी आसरा में मानसिक रूप से परेशान एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान करीब 49 वर्षीय राजेश पुत्र वीरेंद्र के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें खेड़ी आसरा गांव में किसी व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर जान देने की सूचना मिली थी। जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे, जहां घर के साथ एक खाली पड़े कमरे में मृतक का शव लटका हुआ था।

उन्होंने परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। इस संबंध में परिजनों का कहना है कि राजेश पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। मृतक के भाई राकेश के बयान के आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

निजी बस संचालकों ने रोडवेज बस रुकवाकर चालक-परिचालक को पीटा

- झज्जर बस स्टैंड पर शुरू हुआ था विवाद, वहां से बचकर भागे तो गुढ़ा गांव के पास रोका
- परिचालक का कैश बैग छीना, बस से निकाली चाबी, तीन घंटे तक परेशान रहीं सवारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रोडवेज डिपो जींद के बस चालक व परिचालक के साथ निजी बस संचालकों द्वारा गुढ़ा गांव के नजदीक बस के आगे गाड़ी लगाकर उसे रोकते हुए मारपीट की वारदात को अंजाम दिया गया। मंगलवार की देर शाम हुई इस घटना में हद तब हो गई जब आरोपी युवकों ने बस की चाबी निकाल ली। ऐसे में बस तीन घंटे तक वहीं खड़ी रही, जिस कारण बस में बैठी सवारियों को भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

परिचालक सचिन ने बताया कि वह बस चालक मनीष कुमार के साथ जींद से रेवाड़ी व रेवाड़ी से जींद नियमित आवागमन करते हैं। वे मंगलवार की शाम को रेवाड़ी से बस लेकर जब झज्जर बस स्टैंड पर पहुंचे तो निजी बस संचालक उनके साथ मारपीट करने लगे। मारपीट से बचने के लिए जब वे बस लेकर भागे तो चार युवकों द्वारा आगे गाड़ी लगाते हुए उन्हें गुढ़ा गांव के नजदीक रोक लिया। गाड़ी रोकते ही उन्होंने बस चालक मनीष के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब वह बचाव के लिए पहुंचा तो उन्होंने उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने उसका टिकट व रुपयों से भरा बैग भी छीन लिया, जिसमें करीब आठ हजार रुपये थे। सचिन के अनुसार आरोपियों ने बस की चाबी निकाल ली जो करीब तीन घंटे बाद बड़ी मिन्नतों के बाद वापिस की गई। ऐसे में सवारियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय बस स्टैंड के एसएस सुभाष शिमली ने बताया कि कुछ शरारती तत्वों द्वारा जींद डिपो के साथ बस चालक व परिचालक की पिटाई की गई है। इस संबंध में जब पीड़ित बस चालक व परिचालक ने घटना की जानकारी दी तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। वे इस संबंध में बुधवार को थाना प्रभारी से मिलकर शिकायत दे चुके हैं। थाना प्रभारी ने मामले की जांच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

झज्जर। मारपीट मामले की जानकारी देते हुए जींद रोडवेज के पीड़ित बस चालक व परिचालक।

सैनिक सम्मान के साथ दी सूबेदार धर्मवीर को अंतिम विदाई

झज्जर। सूबेदार धर्मवीर के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए सैनिक।

- 28 वर्ष पहले भर्ती हुए थे बिरोहड़ गांव के धर्मवीर, अलवर में ड्यूटी के दौरान बिगड़ी थी तबीयत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

तीन दिन पहले अचानक बिगड़ी तबीयत के चलते ड्यूटी पर तैनात बिरोहड़ गांव निवासी सूबेदार धर्मवीर सिंह का मंगलवार को निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर बुधवार को बिरोहड़ गांव लाया गया, जहां उन्हें सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके पुत्र बिट्टू सहरावत ने उन्हें मुखाग्नि दी। जानकारी के अनुसार सूबेदार धर्मवीर सिंह करीब 28 वर्ष पहले सेना में भर्ती हुए थे और उनकी यूनिट कुछ दिन पहले राजस्थान के अलवर आई थी। तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें सेना द्वारा जयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने मंगलवार की रात दम तोड़ दिया। जिला प्रशासन की तरफ से उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बीडीपीओ अंजली शर्मा व साल्हावास थाना प्रभारी महेश कुमार के अलावा सैन्य अधिकारी पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आर्मी जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए। सेना के अधिकारियों व जवानों द्वारा सैनिक सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। बता दें कि धर्मवीर सिंह का छोटा भाई सुखवीर सिंह भी सेना में सेवाएं दे रहा है जबकि उनके बड़े भाई का देहांत कुछ समय पहले हो चुका है।

गमगीन माहौल में हुआ यशु का अंतिम संस्कार

मां बार-बार पूछ रही-आखिर मामा ने यशु को क्यों मारा

- 29 दिसंबर से लापता था यशु चाहर, मामा ने हत्या कर रोहतक आईएमटी में गड्ढा खोदकर दबा दिया था युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव सिलानी निवासी यशु चाहार का बुधवार को पीजीआई रोहतक में पोस्टमार्टम करवाए जाने के बाद गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव के युवा की बेहरमी से मामा द्वारा ही हत्या किए जाने को लेकर जहां परिवार सदमे में है, वहीं पूरे गांव में भी मातम का माहौल है। परिजन और ग्रामीण कुछ कहने को तैयार नहीं हैं, सिर्फ पुलिस जांच का इंतजार कर रहे हैं। एसीपी क्राइम प्रदीप नैन ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, मां के साथ अन्य रिश्तेदारों की जुबान पर एक ही सवाल है आखिर मामा ने उसे क्यों मारा।

आखिर क्या है मामला: पुलिस को दी शिकायत में मृतक की मां बबीता निवासी सिलानी ने बताया कि उनका छोटा बेटा यशु बीती 29 दिसंबर को सुबह करीब 9 बजे कॉलेज में पेपर देने के लिए घर से निकला था। सुबह करीब 10:45 बजे उसने फोन कर बताया कि उसे एनसीसी क्लास लेनी है और वह तीन-चार बजे तक घर पहुंच जाएगा। लेकिन शाम करीब पांच बजे जब परिवार ने फोन किया तो मोबाइल बंद मिला, जिससे परिवार को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी। परिजनों की शिकायत पर थाना सदर में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। जिसे बाद में आपराधिक केस में तब्दील कर दिया गया। अब फोन लोकेशन के आधार पर पुलिस ने रिश्ते में लगने वाले उसके मामा व रोहतक निवासी इंदरसेन को गिरफ्तार किया है। यशु का शव रोहतक आईएमटी से गड्ढा खोदकर दबाया गया था। अब आरोपी से पुलिस रिमांड में पूछताछ कर रही है आखिर उसने क्यों, कैसे और कब इस वारदात को अंजाम दिया।

मृतक यशु चाहर। - फाइल फोटो

समाज जीवन साथी की हत्या करने के दर्जनभर मामले सामने आने से बढ़ी चिंता

शक, फरेब और तकरार से कमजोर हो रही रिश्तों की डोर

मनीष कुमार ▶▶ बहादुरगढ़

शादी के मंडप में अग्नि को साक्षी मानकर लिए गए सात फेरे सिर्फ रस्म नहीं, बल्कि जीवनभर साथ निभाने का वचन होते हैं। यह रिश्ता प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान की नींव पर खड़ा रहता है। लेकिन जब इस रिश्ते में शक, फरेब, अहंकार और तकरार घर कर लेती है तो यह पवित्र बंधन भी अक्सर खौफनाक मंजर में बदल जाता है। पाहसोर में हुआ महक हत्याकांड इसका ताजा उदाहरण है। हालांकि इससे पहले भी बहादुरगढ़ इलाके में शक व घरेलू कारणों के चलते सात फेरे और वचनों से शुरू हुए रिश्तों का कत्ल होता रहा है। कहीं पति ने तो कहीं पत्नी ने अपने जीवन साथी को मौत के घाट उतार दिया।

सीए अंशुल ने चरित्र पर शक के चलते पत्नी महक की हत्या की थी।

सात फेरे लेकर जिसकी रक्षा का वचन लिया, उसे ही उतार दिया मौत के घाट

वर्ष 2002 में छुड़ानी गांव में महावीर की नृशंस हत्या हुई थी। उसकी पत्नी पर ही दो लोगों के साथ मिलकर पति को ठिकाने लगाने का केस दर्ज हुआ था।

अप्रैल 2016 में आसंडा गांव में हुए मामले ने तो पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। यहां पत्नी पूजा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। पहले उसे नींद की गोली खिलाकर बेहोश किया और दुपट्टे से गला घोंटा और इसके बाद शव के टुकड़े कर दिए। यहां तक कि गर्दन को मकान के भीतर ही दफना दिया।

नवंबर 2019 में जसोरखेड़ी गांव में ललिता नाम की एक महिला की हत्या करने के बाद शव बेड में छिपा दिया गया। महिला अपने बेटे के जन्मदिन पर ससुराल में आई थी। पति राजबीर पर हत्या का आरोप लगा था।

फरवरी 2020 में लाइनपार निवासी सुनील ने घरेलू झगड़े के चलते अपनी पत्नी संगीता की हत्या की और बाद में पुलिस को गुमराह करने के लिए चोरी का ड्रामा रच दिया।

नवंबर-2022 में पटेल नगर में प्रवासी अर्जुन ने अपनी पत्नी जिब्बी की दीवार में सिर पटक कर हत्या की। घरेलू झगड़े के चलते संत कॉलोनी में आरोपी योगेश ने पत्नी संगीता की हत्या कर दी थी।

मार्च 2023 में छोटूराम नगर में प्रवासी बीर सिंह ने अपनी पत्नी शीतल की छत से गिराकर हत्या की। उसके हाथ पर नुकीले औजार से अपना नाम तक लिख दिया था।

सितंबर 2023 में लाइनपार के शंकर गार्डन में प्रवासी घनश्याम ने गला घोंटकर अपनी पत्नी राजश्री की हत्या की और शव बोरे में डालकर फरार हो गया।

फरवरी 2024 में छोटूराम नगर में प्रवासी राजकुमार की तेजधार हथियार से हत्या हुई। पत्नी पूनम ने ही अपने दोस्त शिवदयाल के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

जून 2025 में धर्मविहार में प्रवासी महिला कुसुम ने घरेलू झगड़े से तंग आकर अपने पति भानूप्रताप की गला काटकर हत्या की।

अगस्त 2025 में सराय औरंगाबाद स्थित एक फ्लैट में प्रवासी मूल के अनुभव नाम के एक शख्स ने अपनी पत्नी अनुपम की गला दबाकर हत्या की। कुछ माह पहले ही इनकी शादी हुई थी।

15 फरवरी की रात को हिसार के अंशुल ने यहां पाहसोर में अपनी पत्नी महक को मौत के घाट उतारा। बीते करीब दो दशकों में यहां वैवाहिक रिश्तों के कत्लों की लंबी श्रृंखला रिश्तों की कमजोर होती डोर को बयां कर रही हैं।

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

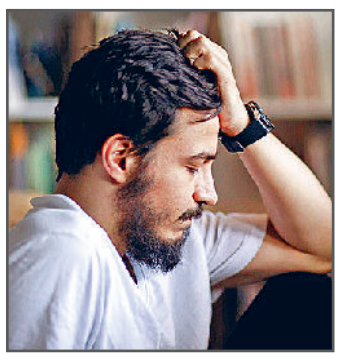

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

खबर संक्षेप

तृतीय श्री श्याम निशान यात्रा 22 फरवरी को

झज्जर। श्याम दुलारे मित्र मंडल के तत्वावधान में आगामी 22 फरवरी को श्री श्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी। श्री श्याम निशान यात्रा के आयोजक जगदीश कटारिया ने बताया कि हरिपुरा स्थित श्रीराम धर्मशाला से रविवार सुबह 11 बजे तृतीय श्री श्याम निशान यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा निशान यात्रा के द्वारा लोगों को धार्मिक भावना के साथ जोड़ा जा रहा है। श्री श्याम भक्तों को निशान यात्रा को लेकर काफी उत्साह है। यह शोभा यात्रा हरिपुरा मौहल्ला से प्रारंभ होकर मढ़ी दुर्गा माता मंदिर, सिलानी गेट, तीन मूर्ति मंदिर, बाबा बालकनाथ मंदिर, अंबेडकर चौक, नेताजी सुभाष चौक, डायमंड चौक, हनुमान मंदिर, मां वैष्णो चौक से होते हुए श्रीराम मंदिर में संपन्न होगी।

विराट हिंदू सम्मेलन 22 फरवरी को

झज्जर। भगत सिंह बस्ती द्वारा आगामी 22 फरवरी को शहर के सीताराम गेट स्थित राव मंगलीराम पार्क में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता बाबा प्रसाद गिरी मंदिर के महंत परमानंद गिरी महाराज, मृत्युंज्य गिरी महाराज, जगपाल दास महाराज, गोपाल नाथ महाराज, रमेश गिरी महाराज व अजय दास महाराज द्वारा की जाएगी। सम्मेलन में कलश यात्रा, मातृ-पितृ, भजन, गीत व भारत माता की आरती आकर्षण का केंद्र रहेगी।

जहाजगढ़ गांव में खेत से मोटर चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव जहाजगढ़ के खेतों में पानी चलाने के लिए लगी एक मोनो ब्लॉक मोटर चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित किसान रोहताश ने बताया कि उसने अपने खेत में सौर उर्जा कनेक्शन लेकर खेत पानी चलाने के लिए मोनो ब्लॉक मोटर लगा रखी थी। जब वह बीती 11 फरवरी को खेत में चलाने के लिए गया तो वहां से मोटर चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। जनता की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा वीरवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे।

नेशनल हाइवे पर बंद नहीं हुए अवैध कट, हादसों का खतरा

■ सड़क सुरक्षा की मासिक समीक्षा बैठक में दिए डीसी के आदेशों पर नहीं हुआ अमल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र से गुजर रहे नेशनल हाइवे पर अवैध कटों की भरमार ने राहगीरों और वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। हाइवे पर जगह-जगह बनाए गए अनधिकृत कट न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि बड़े हादसों को भी निमंत्रण दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कटों के कारण तेज रफ्तार वाहनों के बीच वाहन मुड़ जाते हैं, जिससे टक्कर की आशंका लगातार बनी रहती है। सड़क सुरक्षा मासिक समीक्षा बैठक में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने निर्देश दिए थे कि सभी अवैध कटों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों और संबंधित विभागों को सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए थे।

बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम उठता नजर नहीं आ रहा है। हाइवे पर कई स्थानों पर कट खुले हुए हैं और वाहनों की आवाजाही जारी है। लोगों का कहना है कि लंबी दूरी तय कर अधिकृत यू-टर्न तक जाने की बजाय लोग समय बचाने के लिए अवैध कट बना लेते हैं। धीरे-धीरे ये अस्थायी रास्ते स्थायी रूप ले लेते हैं और प्रशासन की अनदेखी से खतरा और बढ़ जाता है। कई स्थानों पर तो भारी वाहन भी इन्हीं कटों से क्रॉसिंग करते देखे जा सकते हैं। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते इन कटों को बंद नहीं किया गया, तो बड़े हादसे हो सकते हैं।

झज्जर। झज्जर सांपला मार्ग पर बनाया गया अवैध कट। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। झज्जर रेवाड़ी मार्ग पर बनाया गया अवैध कट। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया

ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में स्वास्थ्य कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

झज्जर। ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में ज्ञापन सौंपते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

■ तबादला नीति कर्मचारियों के हित में नहीं, लोगों ने सरकार के प्रति रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रदेश सरकार की ऑनलाइन तबादला नीति को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा बुधवार को सीएमओ कार्यालय पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान नर्सिंग अधिकारी, फार्मेसी, लैब टेक्नीशियन, रेडियो कर्मी, क्लर्क, बहुउद्देशीय स्वास्थ्यकर्मी, सहायक नर्स ने विरोध जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आए दिन कुछ न कुछ कर्मचारी विरोधी फरमान जारी करती रहती है। इसके कारण कर्मचारियों में सरकार के प्रति रोष बना हुआ है। प्रदर्शन के उपरांत उन्होंने कार्यालय प्रतिनिधि डॉक्टर कुलदीप को ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि यह तबादला नीति कर्मचारियों के हित में नहीं है।

इस मौके पर नर्सिंग एसोशिएशन प्रधान सुमनबाला, जनरल सचिव कविता गुलिया, सह सचिव रेनु मलिक, मेट्रेन कृष्णा रानी, जयवीर, अशोक कुमार, संदीप कुलताना, अकाउंटेंट मुकेश, विजय सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

मरीजों के सैंपल लेने का कार्य सौंपने पर नर्सिंग ऑफिसर्स ने जताया विरोध

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में मरीजों के सैंपल संग्रहण को लेकर नर्सिंग ऑफिसरों ने विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना है कि यह कार्य लैब टेक्निशियनों के दायरे में आता है और नियमों के विपरीत हमसे करवाया जा रहा है। बुधवार को कई नर्सिंग ऑफिसर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय देशवाल से मिले और लिखित व मौखिक रूप से अपनी आपत्ति रखते हुए समाधान की मांग की। उनका तर्क है कि पूर्व में भी इस विषय में अस्पताल प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय देशवाल ने बताया कि राज्य सरकार के आदेशों की प्रति नर्सिंग ऑफिसरों को उपलब्ध करा दी गई है। यदि उनकी एसोसिएशन की ओर से कोई लिखित मांग या आपत्ति आती है तो उसे उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों की सुविधाओं से किसी प्रकार का समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

शूटिंग बॉल प्रीमियर लीग 22 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिला स्थित जयसिंहपुर कस्बा में बीस फरवरी से तीन दिवसीय शूटिंग बॉल प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। एशियन शूटिंग बॉल फेडरेशन के कोषाध्यक्ष जेपी कादियान ने बताया कि इस आयोजन में विजेता खिलाड़ियों को करीब 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। लीग में लड़कों की बारह टीमें तथा लड़कियों की छह टीमें भाग ले रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के सुरेश कुमार को एक टीम का कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा प्रदेश की लड़कों की टीम में नितेश, हितेन शर्मा व रॉबिन सिंह का चयन हुआ है जबकि लड़कियों की टीम में तुन, महिमा, अंशु शामिल है। उन्होंने बताया कि राउंड रोबिन लीग के आधार पर खेली जाने वाली इस लीग में शूटिंग बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जीतराज तोमर, कोषाध्यक्ष जितेंद्र बघेल, उप प्रधान डॉक्टर ओपी माचरा, कार्यकारिणी सदस्य रंजीत नाना, टेक्निकल चेयरमैन रंजीत बिश्नोई, कंट्रोलर अतुल तोमर व राजेंद्र नंद्रेकर विशेष रूप से शिरकत करेंगे।

जेपी कादियान

■ विजेता खिलाड़ियों को करीब 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी

निंदाना निवासी युवक की गोली मारकर हत्या मामले में एक और आरोपी काबू

■ गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया

रोहतक। पुलिस ने निंदाना निवासी युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए वारदात में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच जारी है। सीआईए-1 स्टाफ के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह के अनुसार, 16 अप्रैल 2024 को पुलिस को सूचना मिली कि भिवानी स्टैंड, भिवानी रोड महम के पास निंदाना निवासी वजीर को गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना स्थल पर पता चला कि दो युवकों को गोली लगी है, जिन्हें उपचार के लिए जीएच महम ले जाया गया। डॉक्टरों ने वजीर पुत्र ताराचंद निवासी निंदाना को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बल्लू पुत्र इंद्र सिंह निवासी किशनगढ़ भी गोली लगने से घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक के भाई रामनिवास की शिकायत पर थाना महम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। बताया गया कि निंदाना गांव के अंकित उर्फ गोधू से मुकदमों को लेकर रंजिश चली आ रही थी। घटना के दिन शमशेर, वजीर, कृष्ण, दीपक और संजीत महम आए हुए थे। वजीर भिवानी जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पास खड़ी एक गाड़ी में चार-पांच युवक और बैठे थे। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।मामले की जांच सीआईए-1 स्टाफ के उपनिरीक्षक मंजीत द्वारा की जा रही है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मद्देनजर निषेधाज्ञा आदेश जारी

रोहतक। जिलाधीश सचिन गुप्ता ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी 11 अप्रैल 2026 तक आयोजित करवाई जा रही माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षाओं के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला में स्थित परीक्षा केंद्रों के नजदीक निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश सचिन गुप्ता द्वारा यह आदेश बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष, नकल रहित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के दृष्टिगत जारी किये गए है। जारी आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों की 100 मीटर की परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार जैसे आग्नेयास्त्र, तलवार, गंडासा, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, चाकू अथवा अन्य घातक वस्तुएं ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने एवं नकल की संभावना को समाप्त करने के उद्देश्य से परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में संचालित फोटोस्टेट/जेरॉक्स की दुकानें, डुप्लीकेटिंग सुविधा केंद्र, साइबर कैफे एवं संबंधित प्रतिष्ठान भी बंद रहेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 अथवा अन्य लागू अधिनियमों के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं अन्य लोक सेवकों पर लागू नहीं होगा।

किसानों को पर्यावरण अनुकूल खेती पद्धतियों को अपनाने के प्रति किया जागरूक

बेरी। क्षेत्र के गांव पलड़ा में बुधवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसडीएम रेणुका नांदल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण अनुकूल खेती पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने से मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है, उत्पादन लागत में कमी आती है और किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत होती हैं। कार्यशाला में लगभग पांच सौ किसानों ने भाग लिया।

बेरी। कार्यशाला में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो : हरिभूमि

ध्यान से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की दी जानकारी

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्य वक्ता और महाविद्यालय स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में एनएसएस इकाई एक एवं दो के तत्वावधान में एक दिवसीय शिविर और मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी तथा हार्टफुलनेस सोसाइटी के फूल सिंह ढाका ने शिरकत की। उन्होंने अध्यात्म बनाम विज्ञान तथा अध्यात्म और ध्यान के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जन्म और पुनर्जन्म, शिक्षा, मन एवं मस्तिष्क की अवधारणा को वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर सरल भाषा में समझाया। महाविद्यालय प्राचार्य दलबीर सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद समाज के प्रति अपना दायित्व निभाना अत्यंत सराहनीय है और हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्य वक्ता फूल सिंह ढाका ने एक पौधा और ध्यान पर आधारित पुस्तकें भी प्राचार्य को भेंट की।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए किया प्रेरित

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था द्वारा आयोजित बाल विवाह मुक्ति रथ यात्रा टीम ने बुधवार को क्षेत्र के गांव रईया, डावला, हसनपुर, कासनी, सुबाना, छप्पार व खुड्डन गांव पहुंच कर ग्रामीणों को जागरूक किया। टीम सदस्यों ने गांवों के स्कूल, आंगनबाड़ी व सामुदायिक केंद्रों में जागरूकता सामग्री वितरित कर लोगों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रेरित किया। इस दौरान हसनपुर ग्राम में सरपंच बलवान सिंह ने कहा कि कम उम्र में विवाह के कारण जहां बच्चों का विकास रुक जाता है वहीं आर्थिक तंगी घरेलू कलह का कारण बनती है। हमें इस सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। डावला के राजकीय विद्यालय में प्राचार्य छोटी देवी ने कहा कि बाल विवाह एक लड़की के सपनों को चकनाचूर कर देता है। जिस लड़की का बाल विवाह होता है वह शारीरिक रुप से विकसित नहीं हो पाती। इसी प्रकार रईया गांव में ग्राम सरपंच मुकेश देवी व सामाजिक कार्यकर्ता पूनम ने भी बाल विवाह की रोकथाम में सहयोग के लिए लोगों को प्रेरित किया।

सूचना

मैं, ओम पति पत्नी स्व. श्री आजाद सिंह निवासी मकान नंबर-32, सैनिक इन्कलैव-2, झाडौदा कलां, साउथ वेस्ट, दिल्ली-110072 बयान करती हूं कि मेरी पुत्रवधु रेनू (पत्नी स्व. दीपक) मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, झज्जर

केस नं० 65/NT तिथि दायरा 23/05/2025 तिथि पेशी 16/03/2026 मौजा हसनपुर तह० झज्जर जिला झज्जर

1. रेखा रानी पत्नी सुरेन्द्र मोहन पुत्र रिसाल सिंह निवासी गांव कैर दिल्ली 110043 2. मीना देवी पत्नी कर्मवीर पुत्र रतिराम निवासी गांव सुरेहटी तह० व जिला झज्जर ।

.....प्रार्थी / फरीक अव्वल

बनाम

1. रामजीवन पुत्र मीरसिंह पुत्र चन्दगी, 2. अनिता पत्नी ब्रहमप्रकाश पुत्र रणधीर, 3. मन्जोत पुत्र सुभाष पुत्र मीरसिंह, 4. दर्शना देवी पत्नी दिवान सिंह पुत्र समेर सिंह, 5. शारदा पत्नी दिवान सिंह पुत्र समेर, 6. छोटा पत्नी मटरूलाल पुत्र नेकीराम, 7. सुमित्रा पत्नी प्रदीप पुत्र दयानन्द, 8. मुकेश कुमार पुत्र सरूपलाल पुत्र विराना, 9. सन्तोष कुमारी पत्नी अरूण कुमार पुत्र पहलाद, 10. अनिल पुत्र च्यारेलाल पुत्र हरकेश, 11. भतेरी विधवा सत्यवान पुत्र मीर सिंह, 12. सुनील पुत्री सत्यवान पुत्र मीर सिंह, 13. सुमन पुत्री सत्यवान पुत्र मीर सिंह, 14. अनिल पुत्र सत्यवान पुत्र मीर सिंह, सभी निवासयान गांव हसनपुर तहसील व जिला झज्जर।

...उत्तरवादीगण / फरीक देवम

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं0 93/77 खाता नं0 97 मौजा हसनपुर, जमाबन्दी साल 2020-21 तह० व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि रेखा आदि बनाम रामजीवन आदि निवासीगण गांव हसनपुर तहसील व जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा हसनपुर दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 16.03.2026 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरुद्ध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 04/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी, झज्जर।

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में 291वें सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन

श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में.. भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

■ श्रद्धालुओं ने संगीतमयी श्री सुंदरकांड पाठ का सामूहिक गायन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में 291वें सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड वाचक योगेश रंजन, पवन कौशिक, आचार्य उपेंद्र कृष्ण, पंकज शर्मा, ताराचंद भूटानी, राजेंद्र वधवा, भारत भूषण नंदा, दिनेश दुजाना, रमेश लखेरा, आनंद कुमार, दीपक धीमान, केवल अरोड़ा, सुमन वधवा, प्रिया तनेजा, वीना वर्मा, सीमा तनेजा, नारायणी सरदाना, संतोष हंस, हिमांशी अरोड़ा और विशन वधवा सहित श्रद्धालुओं ने संगीतमयी श्री सुंदरकांड पाठ का सामूहिक गायन किया। वहीं, ताराचंद भूटानी, भारत भूषण नंदा, राजेंद्र वधवा, योगेश रंजन ने...राम रसिया हूं मैं, राम सुमिरण करूं..श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में..भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। पदम खट्टर, वेद बहल पाशु, वीके शर्मा, प्रदीप काठपालिया, वंशु वर्मा, सक्षम वर्मा, उमंग खुराना, विनोद, अनिल जय प्रकाश गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान भजन की प्रस्तुति देते हुए आचार्य उपेंद्र कृष्ण। फोटो : हरिभूमि

हिंदू सम्मेलन को लेकर भी हुई चर्चा

कार्यक्रम उपरांत हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम को लेकर आचार्य उपेंद्र कृष्ण व पंकज शर्मा ने बाबा कांशीगिरी मंदिर समिति के सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। पंकज शर्मा ने बताया कि बाबा कांशीगिरी मंदिर परिसर में 24 फरवरी को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता बाबा प्रसाद गिरी मंदिर समिति के अध्यक्ष महंत परमानंद गिरी व मृत्युंजय गिरी जी महाराज द्वारा की जाएगी। सम्मेलन में संत प्रवचन, पारिवारिक चर्चा, भजन व बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद आरती की जाएगी।

बाइक की टक्कर से सिक्योरिटी गार्ड घायल

बहादुरगढ़। झज्जर रोड पर बाइक की टक्कर से एक सिक्योरिटी गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दांत टूट गए। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। इस संबंध में सदर थाने में आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। घाल की पहचान सुनील के रूप में हुई है। सुनील महेंद्र गढ़ का है, फिलहाल यहां बसंत विहार में रहता है और एचएल सिटी में सिक्योरिटी गार्ड है। सुनील का कहना है कि ड्यूटी पूरी होने के बाद शाम छह बजे वह अपने साथी कर्मचारी के साथ घर की ओर जा रहा था। झज्जर रोड फ्लाई ओवर से पहले एक ढाबे के बाहर पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तारी बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मेरा चेहरा सड़क पर जा लगा और दांत टूट गए। काफी चोट आई। इसके बाद मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खबर संक्षेप

अवैध कॉलोनी काटने पर प्रशासन ने की कार्रवाई

झज्जर। प्रशासन द्वारा गांव महाराणा और माछरौली में बगैर लाइसेंस व तय प्रक्रिया पूरी किए अवैध कॉलोनी काटे जाने के मामले में कार्रवाई की है। एडीसी जगनिवास ने बताया कि गांव महाराणा के खसरा नंबर 94//19,20/1/1,20/1/2 और गांव माछरौली के खसरा नंबर 111//3,4 से जुड़े किसी भी प्रकार के सेल-डीड, एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी या फुल पेमेंट एग्रीमेंट को रजिस्टर्ड या एग्जीक्यूट करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता को उक्त अवैध कॉलोनी में किसी भी प्रकार का बिजली कनेक्शन जारी न करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे केवल सरकार द्वारा वैध एवं स्वीकृत कॉलोनियों में ही मकान बनाने के लिए प्लाट खरीद सकते हैं।

पेंशन बढ़ोतरी से 30 लाख को होगा लाभ : छिल्लर

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनों में वृद्धि के निर्णय पर हरियाणा की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार व्यक्त किया है। उनके अनुसार नायब सरकार ने जरूरतमंद नागरिकों को राहत देते हुए 13 श्रेणियों की सामाजिक सुरक्षा पेंशनों में 200 रुपए की बढ़ोतरी कर सराहनीय कदम उठाया है।

भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र छिल्लर ने बताया कि इस फैसले से प्रदेश के लगभग 30 लाख से अधिक पेंशनधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। अब पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह 3200 रुपए से लेकर 14 हजार रुपए तक की पेंशन प्राप्त होगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा। उन्होंने विशेष रूप से नवंबर माह से रुकी हुई करीब 70 हजार बुजुर्गों की पेंशन बहाल किए जाने के फैसले को जनहितकारी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल देने की दिशा में कार्य कर रही है। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर चलते हुए भविष्य में भी सभी वर्गों के हित में कार्य करती रहेगी। संपूर्ण देश में केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आज समाज का हर वर्ग प्रगति कर रहा है। भाजपा सरकार का लक्ष्य पंक्ति में अंतिम में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

सांस्कृतिक एवं वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का भव्य आयोजन

छारा कॉलेज में मेधावी विद्यार्थियों को नकद इनाम देकर किया सम्मानित

पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में नेहा ने मारी बाजी

क्ले मॉडलिंग में गुंजन और स्लोगन राइटिंग में तन्नू रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय सांस्कृतिक एवं वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया के दिशा निर्देशन में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्टूनिंग प्रतियोगिता में नेहा प्रथम, अंकुश द्वितीय, यमन तृतीय रहा। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में चेतना प्रथम, संजू द्वितीय व निशु तृतीय रहा। क्ले मॉडलिंग में गुंजन ने प्रथम, भूपेंद्र ने द्वितीय और निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन राइटिंग में तन्नू प्रथम, अजय राठौड़ द्वितीय, चेतना व भूपेंद्र तृतीय रहे। मेहंदी प्रतियोगिता में नेहा पहले, भूपेंद्र दूसरे व मुस्कान तीसरे स्थान पर रही। पोस्टर मेकिंग में नेहा प्रथम, अजय द्वितीय व यशवी तृतीय रही। सोलो डांस में निशा, हंशिका और भूपेंद्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गायन में सोनिया प्रथम रही। फैंसी ड्रेस में प्रियंका प्रथम, संजू द्वितीय और निशा तृतीय रही। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अनीता दलाल, मंजू मलिक, डॉ. संजय देसवाल, देवेंद्र, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. जयंत, मोनिका, ज्योति, डॉ. ललिता, डॉ. रिदम, मोहित, डॉ. मनोज, अलका व डॉ. गोविंद आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बहादुरगढ़। जागरूकता नाटक प्रस्तुत करते छारा कॉलेज के विद्यार्थी।

बहादुरगढ़। हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करते छारा कॉलेज के विद्यार्थी।

बहादुरगढ़। विजेताओं को पुरस्कृत करती प्रिंसिपल व स्टॉफ सदस्य।

छात्राओं को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

बहादुरगढ़। छात्राओं को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराती रेणु सिंधु।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

माल गोदाम रोड स्थित वैश्य आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग शिक्षिका रेणु सिंधु ने छात्राओं व स्टाफ सदस्यों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया।

योग शिक्षिका ने सूर्य नमस्कार के विभिन्न चरणों का विस्तार से प्रदर्शन करते हुए इसके शारीरिक व मानसिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित सूर्य नमस्कार करने से शरीर स्वस्थ रहता है, मन एकाग्र होता है तथा जीवन में मानसिक तनाव कम होता है। योग के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को ऊर्जावान और उत्साहपूर्ण बना सकता है। विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाना चाहिए। छात्राओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

भाजपा नेता ने की निजी सूदखोरों से गरीब परिवार को राहत दिलवाने की मांग

बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने प्राइवेट सूदखोरों द्वारा एक गरीब परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया है। बैंक कॉलोनी निवासी नरेश कुमार को प्राइवेट सूदखोरों से धमकियां मिल रही हैं। उसने बताया कि वह इन प्राइवेट सूदखोरों के पूरे पैसे लौटा चुके हैं, लेकिन वे अब भी 20 प्रतिशत ब्याज मांग रहे हैं। आए दिन धमकी दे रहे हैं और परिवार को परेशान कर रहे हैं। पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को शिकायत भी दी है। जसबीर सैनी ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सूदखोर गरीब परिवार प्रत्येक दिन धमकीयां दे रहे है। जिस कारण उनका जीवन काफी कठीन बन गया है। सूदखोर पूरा पैसा वसूलने के बाद भी परिवार से पैसे की मांग कर रहे है। परिवार सूदखोरों को पैसे देने में असमर्थ है।

शिविर में स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को किया जागरूक

बहादुरगढ़। बामड़ोली गांव में ग्रामीणों को जागरूक करती स्वयंसेविकाएं।

- पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में नेहा ने पाया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा गांव बामड़ोली में चलाए जा रहे सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेविकाओं ने चौपाल प्रांगण में श्रमदान किया। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा, दूसरा स्थान मुस्कान व तीसरा स्थान मेघा और पूजा को मिला। तन्नु व आभा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। स्वयंसेविकाओं ने दिन की शुरुआत विभिन्न प्रकार की ड्रिल, एनएसएस गीत व वंदे मातरम गाकर की। सड़क सुरक्षा इंचार्ज सत्यप्रकाश राणा ने स्वयंसेविकाओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश राणा व डॉ. आशा शर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर गांव बामड़ोली में ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए रवाना किया। दिव्या बंसल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, सीखने और समस्याओं को हल करने की क्षमता देती है।

समीक्षा बैठक में निपुण हरियाणा कार्यक्रम पर चर्चा

झज्जर। समीक्षा बैठक में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए वक्ता।

- छात्रों से वार्षिक परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बुधवार को शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला परियोजना कार्यान्वयन इकाई की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत निपुण हरियाणा के जिला समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने की। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से निपुण कार्यक्रम की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से मार्च माह में होने वाली वार्षिक मूल्यांकन एवं फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। एसपीआईयू सदस्य अभिषेक शर्मा ने एंडलाइन सर्वे के परिणामों पर प्रकाश डालते हुए जिले की उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। जिला शिक्षा अधिकारी रतिंदर सिंह ने कहा कि फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी पर पूर्ण ध्यान देना होगा। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक ने कहा कि हम सत्र समाप्ति तक सभी विद्यार्थियों को निपुण बनाने का लक्ष्य हासिल करेंगे। डाइट प्राचार्य अनिल श्योराण ने बताया कि प्राथमिक एवं उच्च कक्षाओं में पर्याप्त प्रगति हुई है।

चार एमएस बरसात ने मौसम में घोली ठंडक, तापमान में दर्ज हुई गिरावट

- गेहूं व सरसों की फसल के लिए लाभकारी है हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच बुधवार को एक बार फिर मौसम बदल गया। सुबह से लेकर शाम तक आसमान में बादल छाए रहे। बीच-बीच में हल्की बरसात हुई। ठंडी हवा के चलते मौसम में ठंडक घुल गई। तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यह हल्की बरसात गेहूं आदि फसल के लिए लाभकारी है।

दरअसल, बीते कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा था। तापमान 29 डिग्री तक पहुंच गया था और दिन में गर्मी महसूस होने लगी थी। मौसम विभाग की ओर से 18 फरवरी को बरसात होने की संभावना जताई गई थी। बुधवार की अल सुबह मौसम बदल गया। सुबह करीब पांच बजे हल्की फुहार शुरू हुई। इसके बाद दोपहर तक रुक रुककर हल्की बरसात हुई। कुल चार एमएम बरसात दर्ज की गई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवा के चलते वातावरण में पुनः ठंडक महसूस हुई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कई डिग्री गिरावट दर्ज हुई, जिसका असर लोगों के पहनावे में देखने को मिला। कृषि एवं कल्याण विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. सुनील कौशिक ने बताया कि बहादुरगढ़ क्षेत्र में साढ़े 27 हजार हेक्टेयर में गेहूं व तीन हजार हेक्टेयर में सरसों की बिजाई किसानों ने की है। इन दोनों फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद है।

दिनभर रुक-रुक होती रही हल्की बरसात, जनजीवन रहा प्रभावित

झज्जर। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल।

कई स्थानों पर जलभराव होने से राहगीर परेशान

झज्जर। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार दिनभर रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रही। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही और ठंडी हवाएं चलती रही। जिसके कारण मौसम खुशनुमा हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। करीब दोपहर एकाएक बरसात तेज हो गई। जिसका असर बाजार के कारोबार पर भी पड़ा। बारिश के कारण बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ देखी गई। कई स्थानों पर जलभराव से राहगीरों को दिक्कत हुई। मंगलवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चेयरपर्सन ने किया नाला निर्माण का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

चेयरपर्सन सरोज राठी ने बुधवार को शहर के वार्ड नंबर 27 में पटेल नगर रोड पर चल रहे नाला निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा और पार्षद कुलदीप राठी भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता जांचने के साथ अधिकारियों को तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए। बता दें कि वार्ड 27 में पटेल नगर की जलनिकासी के लिए ओपन नाला निर्माण कार्य चल रहा है। चेयरपर्सन ने ठेकेदार को उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री उपयोग करने और समयसीमा में कार्य समाप्त करने की हिदायत दी। सरोज राठी ने कहा कि नगर परिषद के विकास कार्यों में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

बहादुरगढ़। सैनिक पब्लिक स्कूल ने विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने यॉगट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट का दौरा किया। छात्रों ने एक एनिमेशन वीडियो के माध्यम से अच्छे बैक्टीरिया के लाभों के बारे में भी जाना। भ्रमण के दौरान छात्रों को स्वास्थ्यवर्धक प्रोबायोटिक पेय के निर्माण की प्रक्रिया को समझाया गया। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए यह शैक्षिक भ्रमण करवाया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

परोपकारी सभा सनातन धर्म महावीर मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा

ईश्वर की अराधना के साथ करें अच्छे कर्म : अतुल

ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही पापों से मुक्ति पाने का एकमात्र उपाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

परोपकारी सभा श्री सनातन धर्म महावीर मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक श्री अतुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने ईश्वर की अराधना के साथ-साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। बुधवार को कथा सुनाते हुए श्री धाम वृंदावन वाले हित चरण श्री अतुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने-अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते हैं, जिनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही मुक्ति पाने का एकमात्र उपाय है।

बहादुरगढ़। बुधवार को भारी संख्या में कथा सुनती महिलाएं।

सत्संग जीवन को बदलने वाली शक्ति

कथा व्यास ने श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन उपस्थित श्रद्धालुओं से जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने जोर दिया कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा और संग्रह जैसी बुराइयों का त्याग करना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्मों को अपनाना चाहिए। परोपकारी सभा श्री सनातन धर्म महावीर मंदिर के प्रधान जगदीश ऐलावाधी ने बताया कि कथा के आगामी दिनों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु इस आयोजन में भाग लेकर निरंतर सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। धार्मिक आयोजनों से वातावरण भक्तिमय बना रहता है।

साढ़े 600 ग्राम गांजे सहित युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए-2 ने सेक्टर 6 थाना क्षेत्र से गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। सीआईए प्रभारी अमित कुमार के अनुसार, सूचना मिली थी कि भूमित निवासी कबीर बस्ती गांजा बेचता है। वह गांजा बेचने की फिराक में रोहतक-बहादुरगढ़ रोड पर बालाजी इंडस्ट्रियल एरिया के पास खड़ा है। इस सूचना पर टीम ने आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके पास 650 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ सेक्टर 6 थाने में केस दर्ज किया गया है।